न्यूपा कार्यक्रम

स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षणिक प्रशासन में नेतृत्व के बारे में 10वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम न्यूपा, नई दिल्ली के सहयोग 18 से 22 जनवरी 2010 तक आयोजित किया गया जिसमें 15 विभिन्न राज्यों से 35 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के उद्देश्य थेः

- प्रतिभागियों को नेतृत्व में उभरने वाले विषयों से परिचित कराना।
- प्रबंधन विकास के विभिन्न आयामों जैसे स्वयं को समझना और व्यवस्थित करना, विरोध को नियन्त्रित करना और समस्या समाधान कौशलों में उनकी क्षमताओं का निर्माण करना।
- अनुदेशन पर्यवेक्षण और अध्यापक विकास, संगठनात्मक निदान और वित्तीय प्रबंधन जैसे आयामों में उनकी क्षमताओं का निर्माण करना।
- वैश्वीकरण के दौर में नवप्रवर्तनों की व्यवस्था करने के लिए उनके कौशलों को बढ़ाना ।
- प्रधानाचार्यों को आधुनिक प्रबंधन तकनीकों की जानकारी देकर स्कूल प्रभावकारीता के बारे में संवेदनशील बनाना।
- प्रधानाचार्यों की समुदाय के साथ संयोजन और सहलग्नता के लिए क्षमताएं विकसित करना।

NUEPA Programme

The Tenth Management Development Programme on Leadership in Educational Administration for the Principals of schools, was conducted from January 18 to 22, 2010 in collaboration with NUEPA, New Delhi in which 35 Principals from 15 different States participated.

The Objectives of the Programmes were:

- To acquaint the participants with the emerging issues in leadership.
- To build their capacities in different aspects of management development like understanding and managing self, managing conflict and problem solving skills.
- To develop their capacities in the aspects like instructional supervision and teacher development, organisational diagnosis and financial management.
- To enhance their skills to manage innovations in the era of globalisation.
- To sensitise the principals about school effectiveness by imparting modern management techniques.
- To develop the capacities of principals for linkages and inter-face with the community.

कक्षा–9 की कम्युनिकेटिव इंगलिश पाठ्यपुस्तक का परिशोध

कक्षा 9 की 'कम्युनिकेटिव इंगलिश कोर्स' के लिए 'इंटरएक्ट इन इंगलिश स्टूडेंटस बुक' को 2009–10 में संशोधित किया गया। परिवर्तनशील समय की मांग की आवश्यकता के कारण तथा सीसीई में परिवर्तन के साथ ही छात्रों की पाठ्यपुस्तके 'इंटरएक्ट इन इंगलिश लिटरेचर रीडर', मेन कोर्स बुक और वर्क बुक को संशोधित किया गया। इन पुस्तकों में शामिल किए जाने के लिए चुने गये उद्धरणों का चयन छात्रों को वर्तमान के साथ–साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवष्यक जीवन कौशल को अन्तर्निवेश तथा छात्रों को स्वयं चिंतन करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया गया।

Revision of Class IX – Communicative English Text Books

The Interact in English Students' Books for class IX Communicative English Course were revised in 2009-10. The Students' Books-Interact in English Literature Reader, Main Course Book and Work Book were revised in tandem with the changes in CCE and owing to the needs and demands of the changing times.

The extracts selected for inclusion in the books were taken with the purpose of making students think on their own and inculcate in them the life skills necessary for facing the challenges of the present as well as the future.

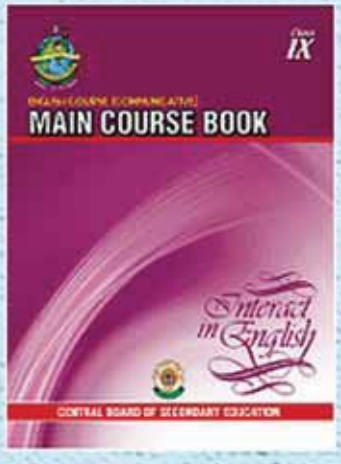

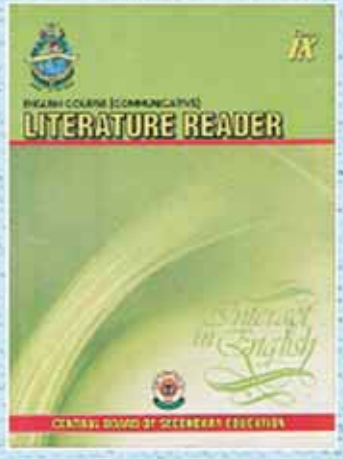

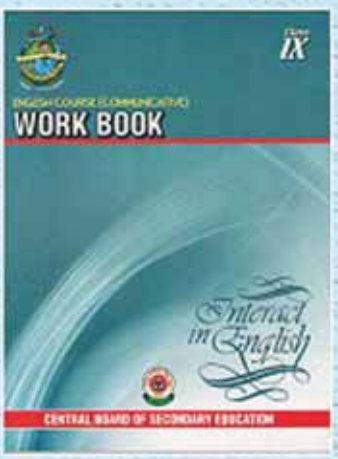

'लिटरेचर रीडर' में ''फिक्शन सेक्शन'' की सभी चारों कहानियों को परिवर्तित किया गया तथा एक पांचवी कहानी को जोड़ा गया। दो कविताओं को प्रतिस्थापित किया गया तथा एक नाटक को परिवर्तित किया गया।

मेन कोर्स बुक की सभी युनिटों का विस्तृत रूप से परिशोधन किया गया। समकालीन समाज से

In the Literature Reader, all four stories in the Fiction Section were changed and a fifth story was added. Two poems were replaced and one play was changed.

Similary the Main Course Book was also revised comprehensively and all the units

संबंधित विषयों की कहानियां जैसे पहली महिला पाइलेट, जंगली प्रजातियों का संरक्षण आदि को इस किताब में जोड़ा गया।

वर्क बुक को भी संशोधित किया गया तथा प्रत्येक युनिट में व्याख्याओं को जोड़ा गया। यूनिटों में ओर अधिक अभ्यास तथा बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न जोड़े गए।

'मेन कोर्स बुक' तथा 'लिटरेचर रीडर' की प्रत्येक यूनिट में श्रवण और वाक् कौशल पर अभ्यास शामिल करने की ओर ध्यान दिया गया।

वर्ष 2009 के लिए किशोर शिक्षा कार्यक्रम (एईपी–सीपी7)

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अंतर्गत कक्षा 9 और 11 के छात्रों के लिए एइपी लागू कर रहा है। किशोर शिक्षा कार्यक्रम उन किशोरों पर ध्यान देता है जो सूचना, शिक्षा तथा सेवा के माध्यम से वैयक्तिक और सार्वजनिक जीवन में सृजनात्मक और उत्तरदायी व्यवहार में शिक्षित विकल्प बनाने में सशक्त है।

सीबीएसई तीन स्तरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है:

1. संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने के लिए प्रचार कार्यक्रम(एडवोकेसी प्रोग्राम)
2. नोडल अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एनटीटी) (प्रत्येक विद्यालय से चयनित परामर्शदाताओं/अध्यापकों के लिए)
3. मास्टर प्रशिक्षक कार्यक्रम (चयनित और अभिप्रेरित परामर्शदाताओं, नोडल अध्यापकों और प्रधानाचार्यो के लिए)

have been revised. Topics with resonance in contemporary society like the story about the first female pilot, conservation of species in the wild were added in the book.

The workbook was revised and explanations for every unit added. More exercises and Multiple Choice Questions were added to the units.

Care was taken to include exercises on Listening and Speaking skills in every unit of Main Course Book and Literature Reader.

Adolescence Education Programme for the Year 2009 (AEP–CP7)

The Central Board of Secondary Education is implementing AEP under the directives of MHRD for students of classes IX and XI. The Adolescent Education Programme envisions adolescents, who are empowered to make informed choices in personal and public life promoting creative and responsible behaviour through information, education and service.

The CBSE is conducting Training Programmes at three levels:

1. Advocacy Programmes for sensitisation and creating awareness.
2. Nodal Teacher Training Programmes (NTT) (for counsellors / teachers identified from each school).
3. Master Trainer Programmes (for identified and motivated counsellors, nodal teachers and principals.

एईपी प्रशिक्षण पैकेज में शामिल है:

- एडवोकेसी मैनुअल
- अध्यापक अभ्यास पुस्तिका
- संदर्भ सामग्री

The Training Package of AEP Includes :

- Advocacy Manual
- Teacher Workbook
- Reference Material

2005–2009 से एईपी

AEP since 2005-2009

कार्यक्रम आयोजित Programmes Held	2005	2006	2007	2008	2009	कुल Total	स्कूलों की संख्या No. of Schools
नोडल अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम Nodal Teachers Training Programme	0	13	23	30	28	94	3621
एडवोकेसी कार्यक्रम Advocacy Programme	3	10	25	28	28	95	
मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम Master Trainers Programme	0	2	2	1	1	6	444
राष्ट्रीय युवा महोत्सव National Youth Festival	0	0	0	0	1	1	
कुल **Total**	**3**	**25**	**50**	**59**	**58**	**196**	**4065**

क्रियाकलाप

किशोर शिक्षा कार्यक्रम किशोरों की बढ़ने, भावनाओं के साथ बर्ताव करने, तनाव का सामना करने तथा लैंगिक रूढ़िबद्ध धारणाओं तथा पूर्वाग्रहों से संबंधित चिंताओं का निराकरण करता है।

किशोरों के लिए एइपी कार्यक्रमों के तहत विभिन्न क्रियाकलाप जैसे नाटक/नुक्कड़, वाद–विवाद, पोस्टर/कार्टून डिजाइन करना, कहानी/निबंध लेखन, का आयोजन किया गया।

Activities

The Adolescence Education Programme addresses the concerns of adolescents about growing up, dealing with emotions, managing stress, and dealing with gender stereotypes and prejudices through the life skills approach.

Under AEP programmes various activities such as drama/role-play, debate, poster/cartoon designing, story/ essay writing, were organised for adolescents.

युवा महोत्सव

राष्ट्रीय युवा महोत्सव गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली में 27–29 दिसम्बर 2009 तक आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव जीवन कौशलों के आधार पर उपागमों के साथ अनुभवात्मक अधिगम पर केंद्रित था। महोत्सव के कार्यक्रम किशोरावस्था चिंता के विभिन्न

Youth Festival

The First National Youth Festival was organised from 27-29 December 2009 at Gandhi Darshan, Rajghat in New Delhi.

The National Youth Festival focussed on experiential learning with life skills based approaches. The events of the festival were based on various issues of adolescence

विषयों जैसे स्वस्थ जीवन, भौतिक शोशण, एच.आई. वी/एड्स, लैंगिक मुद्दे, आत्म सम्मान के महत्व पर आधारित थे।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2009 में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति के विद्यालयों की कक्षा 8वी से 12वीं तक के कुल 321 छात्रों और 66 अध्यापकों ने भाग लिया।

concerns including healthy living, substance abuse, HIV/AIDS, gender issues, the importance of self esteem and handling peer pressure.

A total of 321 students from classes VIII-XII and 66 teachers from Central Board of Secondary Education (CBSE), Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) School and Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS) participated in the National Youth Festival 2009.

सीबीएसई विद्यालयों में आपदा प्रबन्धन का कृत्रिम (मॉक) अभ्यास

- सीबीएसई ने राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से दिल्ली के एन.सी.आर. और उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में स्थित 87 विद्यालयों में कृत्रिम (मॉक) अभ्यास का आयोजन कर कुला मिलाकर 32,123 विद्यार्थी एवं अध्यापकों को प्रशिक्षित

Mock Exercises in CBSE Schools in Disaster Management

- The Central Board of Secondary Education in collaboration with the National Disaster Management Authority (NDMA) conducted mock exercises in 87 schools located in the NCR of Delhi and States of Uttarakhand, Haryana, Punjab, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Kerala and Maharashtra. Over all 32,123 students and teachers have been trained. Community people were

किया गया तथा आपदा तैयारी के मुद्दों के बारे में समाज के लोगों को जागरूक किया।

- विद्यालयों में कृत्रिम अभ्यास दो चरणों में किया जाता है। पहले चरण में विद्यालय आपदा प्रबन्धन का आयोजन करने की रूपरेखा तैयार की जाती है। दूसरे चरण में वास्तविक रूप से मॉक अभ्यास किया जाता है जिसमें अध्यापकों, विद्यार्थियों के साथ गैर–अध्यापन स्टॉफ भी भाग लेता है। विस्तृत विचार विमर्श सत्र के दौरान अन्तरालों की पहचान की जाती है और अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है।

स्वास्थ्य नियम पुस्तिका का परिशोधन

स्वास्थ्य नियम पुस्तिका के 04 खण्डों का परिशोधन किया गया जिसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा सेवायें, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के संदर्भ में सी.सी.ई. ईको क्लब, स्वास्थ्य क्लब, वैज्ञानिक कौशल, सी.सी.ई. आधारित निर्धारण प्रमाण पत्र और पी ई सी कार्ड विषय शामिल थे। स्वास्थ्य नियम पुस्तिका में बाल चिकित्सा आपातकालीन मामले शामिल करने के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर के विशेशज्ञों के साथ विचार विमर्श किया गया।

शारीरिक शिक्षा संसाधनों का विकास

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से भारत सरकार (मा.सं.वि.मं.) के संयोजन में खेल–कूद विकास में पहल कर अतंरराष्ट्रीय प्रेरणा नामक कार्यक्रम आरंभ किया जिसमें प्राथमिक स्तर पर शारीरिक शिक्षा पाठ्यचर्या के कार्य सम्पादन पर विशेष बल दिया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य यह जानना है कि विद्यालयों तथा स्थानीय समुदाय के युवाओं को समर्थ बनाने में शारीरिक शिक्षा एवं विद्यालय खेल–कूद का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है।

शारीरिक शिक्षा कि जानकारी देने में शारीरिक शिक्षा कार्ड अध्यापक नियम पुस्तिका तथा उपकरण सहायक सामग्री शामिल है। पीईसी– इंडिया कार्ड

also sensitised on disaster preparedness issues.

- The mock exercises in schools are conducted in two steps. In step one, the process of constituting school Disaster Management Framework and conduct of mock exercise are delineated. In step two, the mock exercise is actually conducted where the students, teachers along with the non-teaching staff take part. At the end of step two, gaps are identified during a detailed debriefing session and follow-up action is taken.

Revision of Health Manuals

Four volumes of Health Manuals were revised to include issues regarding sanitation, hygiene, environmental protection, safety, emergency medical services meetings with experts from AIIMS Trauma Centre were held to discuss the inclusion of pediatric medical emergency issues in the Health Manuals.

Development of Physical Education Resources

The Central Board of Secondary Education in collaboration with British Council and in association with the Government of India (MHRD) started a sport development initiative called—International Inspiration with particular emphasis on the transaction of the Physical Education curriculum at the primary stage .The objective of the programme is to explore how Physical Education (P.E.) and school sport can be used to engage and empower young people in schools and local community.

Physical Education classroom teaching includes aids in the form of Physical Education Cards, a PE Teacher's Manual and equipments to match

रंगीन कार्डों का एक सेट है जिसमें विशिष्ट आयु वर्ग के लिए एक प्रगतिशील रीति में शारीरिक शिक्षा सत्रों सहित सुरक्षा, अमोद–प्रमोद के लिए युक्तियां एवं संकेत दिए गए हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

- प्राथमिक स्तर पर पी.ई की पहुंच को सदृढ़ करना।
- प्राथमिक स्तर पर उन संसाधनों को विकसित करना जो शारीरिक शिक्षा के लेन–देन की प्रक्रिया को प्रबलित करें।
- भारत में वर्तमान शारीरिक शिक्षा पाठ्यचर्या के व्यापक अर्थ और इसके प्रस्तावित परिणामों की परीक्षा करना।
- कार्य के समर्थन के लिए उपयुक्त स्त्रोत सामाग्री का अनुसंधान और विकास करना।
- 6–12 के आयु वर्ग और कक्षा 1–5 को पढ़ाने के लिए सामान्य प्राथमिक अध्यापकों के लिए एक शारीरिक शिक्षा शिक्षण मैनुअल (आधार कार्यों के साथ) विकसित करना।
- सरल मूल्यांकन उपकरणों को डिजाइन करना।

शिक्षण मैनुअल के साथ–साथ पी.ई.सी. कार्डों का चेन्नई, मुम्बई और दिल्ली में परीक्षण किया गया और यह अब सीबीएसई में उपलब्ध हैं।

सीबीएसई और ब्रिटिश कांऊसिल ने कुछ चयनित स्कूलों में अक्टूबर 2009 से मार्च 2010 तक इन कार्डों की कक्षा वातावरण में प्रायोगिक रूप से प्रभावकारिता की जांच करने के लिए एक मार्गदर्शी प्रोजेक्ट चलाया। पीईसी कार्यक्रम से अध्यापकों का परिचय कराने के लिए और मार्गदर्शी प्रोजेक्ट से उनकी भूमिका के बारे में व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए देश के विभिन्न भागों में कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

the activities in the cards. The PEC – India Cards are a set of colourful cards with tips and hints for delivering fun, safe and inclusive physical education sessions in a progressive manner for specific age groups.

The Programme Objectives

- To strengthen the delivery of PE at the primary level.
- To develop resources which would reinforce the transaction process of physical education at primary stage.
- To examine the broad content of the existing PE curriculum in India and its proposed outcomes.
- To research and develop appropriate source materials to support work.
- To develop a Physical Education Teaching Manual (with core tasks) for general primary teachers to teach PE Manual to cover age groups 6-12 and classes I-V.
- To design simple evaluation tools.

The Teachers' Manual as well as PEC Cards were trialled in Chennai, Mumbai and in Delhi and are now available with CBSE.

The CBSE and British Council conducted a pilot project in some selected schools to check the effectiveness of the cards practically in the classroom environment from October 2009 - March 2010. Workshops in various parts of the country were organised to familiarise teachers with the PEC programme and to give them a working knowledge on their roles in the pilot project.

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना का कार्यान्वयन

Implementation of Continuous and Comprehensive Evaluation Scheme

केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) की स्थापना राज्यों में शिक्षा के राष्ट्रीय मुद्दों पर सहमति बनाने तथा शिक्षा में एक प्रभावी भूमिका अदा करने के लिए की गयी है।

दिनांक 31.8.2009 को हुयी बैठक में

(क) सीएबीई ने अवांछित प्रतिस्पर्धा कम करने तथा तनाव कम करने के लिए अगले वर्ष से कक्षा 10 की परीक्षा के लिए अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग प्रणाली शुरू करने के सीबीएसई के प्रयासों का संज्ञान लिया और राज्यों को सलाह दी कि वे इसकी संभावना को तलाशें।

(ख) सीएबीई सर्वसम्मत थी कि छात्रों में परीक्षा का तनाव कम करने की आवश्यकता है। सीएबीई ने कक्षा XI में उसी विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए कक्षा X की परीक्षा को वैकल्पिक बनाने और उसके स्थान पर अधिगम परिणाम के लिए कोई समझौता न करने वाले प्रभावी सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) प्रणाली लागू करने के सीबीएसई प्रयास का संज्ञान लिया।

सीबीएसई द्वारा अपनायी गई प्रक्रिया

वर्तमान विषय सामग्री का सर्वेक्षण करने के अलावा, सीबीएसई विद्यालयों में परीक्षा सुधारों तथा सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) लागू करने से पहले:

The Central Advisory Board of Education (CABE) was set up by the Central Government to play an effective role in education by building consensus on national issues in education among the States.

In a Meeting held on 31.08.2009

a) "CABE noted the efforts of CBSE to introduce a grading system in lieu of marks for its class X examination from next year with the objective of reducing unhealthy competition, and thereby reduce stress, and suggested to the States that they explore the possibility of following suit. "

b) "CABE was unanimous that there is a need to reduce examination stress among students. CABE noted the attempt of CBSE to make class X examination optional for students who will continue in the same school in class-XI while replacing the same with an efficient Comprehensive And Continuous Evaluation (CCE) system so that standards of learning outcome are not compromised. "

Process Followed by the CBSE

Before the Introduction of examination reforms and Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) in CBSE schools, in addition to survey of existing literature:

- सीबीएसई ने 24–26 जुलाई 2009 तक गुवाहाटी चेन्नई, तिरूवनन्तपुरम, पंचकुला, इन्दौर तथा लखनऊ में केन्द्रित सामूहिक चर्चा का आयोजन किया।
- छात्रों, अभिभावकों, अध्यापकों, प्रधानाचार्यों तथा शिक्षाविदों के भिन्न–भिन्न समूह गठित किए गए।
- एमडीआई गुडगांव की सहायता से प्रश्नावली सर्वेक्षण किया गया।
- छात्र, अभिभावकों तथा सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा अध्यापकों ने लगभग 14000 प्रश्नावली प्रारूप भरे ।
- सीबीएसई की वेबसाइट द्वारा लगभग 6000 प्रतिक्रियाऐं प्राप्त हुयी।
- इस मुद्दे पर तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए मोबाइल टेलीफोन (एसएमएस) द्वारा एक लघु सर्वे किया गया। लगभग 8750 प्रतिक्रियाऐं प्राप्त हुयी।

स्टेकहोल्डर सर्वेक्षण

माध्यमिक शिक्षा के स्टेक होल्डरों जैसे छात्रों, अभिभावकों, अध्यापकों, प्रधानाचार्यों तथा शिक्षाविदों की मनोदशा तथा राय निर्धारित करने के लिए सीबीएसई ने पूरे देश में 06 केन्द्रों पर एक सर्वेक्षण करवाया। ये सर्वेक्षण चेन्नई, गुवाहाटी, पंचकूला, लखनऊ, इन्दौर तथा तिरूवनन्तपुरम में करवाये गये। प्रधानाचार्यों, छात्रों, अध्यापकों तथा अभिभावकों की परीक्षा की स्थिति से संबंधित प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने के लिए उनके अलग–अलग सत्रों का आयोजन किया। अधिकांश स्टेकहोल्डरों का विचार था कि परीक्षा को वैकल्पिक न बनाया जाये। तथापि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना को इसके सशक्त रूप में लागू किया जाना चाहिए।

- Focus Group Discussions were conducted at Guwahati, Chennai, Thiruvananthapuram, Panchkula, Indore and Lucknow from 24 july- 26 August 2009.
- Different groups of students, parents, teachers, principals and educators were constituted.
- Questionnaire survey was also commissioned with the help of MDI, Gurgaon.
- About 14000 questionnaires were filled up by a sample of the students, parents, principals and teachers of CBSE affiliated schools.
- About 6000 responses were also obtained through CBSE's website.
- A Short Survey to get immediate response on the issue was also done through mobile telephone (SMS). About 8750 responses were received.

Stakeholders Survey

A survey was undertaken by CBSE in six centres across the country to assess the mood and opinion of the stakeholders in secondary education i.e. students, parents, teachers, principals and educationists. These surveys were held at Chennai, Guwahati, Panchkula, Lucknow, Indore and Thiruvananthapuram. Separate sessions with principals, students, teachers and parents were held to assess their reaction regarding the position of examinations. Most stakeholders were of the view that examinations should not be made optional. However Continuous and Comprehensive Evaluation scheme in its strengthened form should be introduced.